[Total No. of Printed Pages : 2] Roll No.....

बी. ए. जे. वाई. 202

मुहूर्त्त विचार

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी0 ए0 - 15/16/17

द्वितीय वर्ष, सत्र, 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक: 80

नोट: यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (3) खण्डों क, ख और ग में विभाजित है, शिक्षार्थियों का इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड-क

नोट: खण्ड 'क' में चार (4) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित है, शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. संस्कार पर निबंध लिखें।
2. मुहूर्त्त का मानव जीवन में उपयोग पर प्रकाश डालें।
3. यात्रा मुहूर्त्त में द्यात विचार लिखें
4. शिलान्यास विधि को लिखें।?

खण्ड-ख

नोट: खण्ड 'ख' में आठ (8) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (8) अंक निर्धारित है, शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. तिथियों की विविध संज्ञाओं को लिखें?
2. भद्रा का विचार लिखें।

3. षोडश संस्कार का नाम लिखें?
4. विधारम्भ मुहूर्त्त लिखें?
5. यात्रा में लग्नशुद्धि विचार करें?
6. यात्रा में शकुन के फल लिखें।
7. जीर्णग्रहप्रवेश में मुहूर्त्त लिखिए।
8. ग्रहारम्भ में लग्नशुद्धि लिखें।

खण्ड–ग

नोट: खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (1) अंक निर्धारित है, इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. मासों की संख्या लिखें?
2. गोल कितने हैं?
3. अयन कितने हैं?
4. नक्षत्रों की संख्या कितनी है?
5. वारों की गणना कहाँ से करते हैं?
6. योग कितने होते हैं?
7. शिलान्यास किस दिशा में करें?
8. विधारम्भ कब करना चाहिए?
9. नामकरण कब होता है?
10. गृहारम्भ शुक्रास्त में होता है कि नहीं?

*****